इतिहास विभाग
Department of History
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
(केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 संख्या 25 2009 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
GURU GHASIDAS VISHWAVIDYALAYA, BILASPUR (C.G.)
(A central University Established under the Central University Act, 2009 No 25 of 2009)
Website – www.ggu.ac.in, Phone No. 07752-260342, Fax No. 07752-260148,154

# Minutes of Meetings (MoM) of the Board of Studies (BoS)

Date: 02/11/2021

The scheduled meeting of members of the Board of Studies (BoS) of the Department of History, School of Studies of Social Science, Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur was held to design and discuss the M. A. Programme scheme and syllabi.

The following members were present in the meeting:

1. Prof. Pravin Kumar Mishra (HOD, Assistant Prof., Dept. of History - cum Chairman, BOS)
2. Prof. Pradeep Shukla (Member BoS, Dept. of History)
3. Dr. Seema Pandey (Member BoS, Dept. of History)
4. Dr. Ghanshyam Dubey (Member BoS, Dept. of History)

The following points were discussed during the meeting

1. To introduce of CBCS syllabus in M.A. History I, II, III, and IV semester.
2. Revised Old syllabus of M.A. History.
3. Old syllabus of M.A. History I, II, III and VI Semester.

The following new courses were introduced in the B.A. History Programme (I, II, III and IV semesters):

- History: Its Theory & Application (HSPATT1)
- Constitutional History of India (1773-1947AD) (HSPATT2
- Rise & Growth of Nationalism in India (HSPATT3)
- Modern History of Chhattisgarh (HSPATT4)
- Religious Believes & Thought in India (HSPATO1)
- Contemporary India (1950-1991AD) (HSPBTT1)
- Contemporary World (1945-2003AD) (HSPBTT2)
- Social Formation & Movements in India (HSPBTT3)

- A. Historiography in Ancient India (HSPBTD1)
- B. Historiography in Medieval India (HSPBTD2)
- C. Historiography in Modern India (HSPBTD3)
- A. Political Thoughts & Thinker in Ancient India (HSPCTD1)
- B. Political Thoughts & Thinker in Medieval India (HSPCTD2)
- C. Political Thoughts & Thinker in Modern India (HSPCTD3)
- A. Social & Cultural History of Ancient India (HSPCTD4)
- B. Social & Cultural History of Medieval India (HSPCTD5)
- C. Social & Cultural History of Modern India (HSPCTD6)
- A. Economic History of Ancient India (HSPCTD7)
- B. Economic History of Medieval India (HSPCTD8)
- C. Economic History of Modern India (HSPCTD9)
- Basic of Research Methodology in History (HSPCTT1)
- A. Major Regional Powers of Ancient India (HSPDTD1)
- B. Major Regional Powers of Medieval India (HSPDTD2)
- C. History of Marathas Power (HSPDTD3)
- Dissertation & Viva – Voce (HSPDDT1)

The meeting concluded with the unanimous approval of the proposed scheme and syllabi for the M.A. History Programme.

Signature & Seal of HoD

विभागाध्यक्ष
HEAD
इतिहास विभाग
Department of History
गुरुघासीदास विश्वविद्यालय
बिलासपुर(छ.ग.)
Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
Bilaspur (C.G.

| **Department : Department of History** | | |
|---|---|---|
| ***Academic Year : 2022-23*** | | |
| **Sr. No.** | **Programme Code** | **Name of the Programme** |
| 01. | HSPDDT1 | Dissertation & Viva – Voce (M.A.) |

The following students have carried out their Project work/ Internship/ Field Project/Industrial Training for the academic session 2021-22

| Si.No. | Name of The Students | Page No 1 To 101 |
|---|---|---|
| 1 | Akanksha Kashyap | 1-3 |
| 2 | Akhilesh Kujur | 4-6 |
| 3 | Ayush Kumar Yadav | 7-9 |
| 4 | Bhojraj Keut | 10-12 |
| 5 | Bhuvneshwar Kumar Sahu | 13-15 |
| 6 | Bindia Jangde | 16-19 |
| 7 | Chandrashekhar Sahu | 20-23 |
| 8 | Deepasikha Swain | 24-26 |
| 9 | Divya Bhooshan Kaushik | 27-29 |
| 10 | Divya Kumar Chandrawanshi | 30-33 |
| 11 | Gaurav Diwakar | 34-36 |
| 12 | Gayatri Patel | 37-39 |
| 13 | Gitanjali Patel | 40-42 |
| 14 | Harish Shankar Yadav | 43-46 |
| 15 | Isha Dhirhi | 47-49 |
| 16 | Jakab Toppo | 50-53 |
| 17 | Jiteshwar Prasad Pandey | 54-56 |
| 18 | Karishma Chakradhari | 57-59 |
| 19 | Lipi Kumari | 60-62 |
| 20 | Madhav Kumar | 63-66 |
| 21 | Manas Sahu | 67-69 |

| | | |
|---|---|---|
| 22 | Narad Banjara | 70-73 |
| 23 | Osama Ansari | 74-77 |
| 24 | Pankaj Singh | 78-81 |
| 25 | Prakash Kaur | 82-85 |
| 26 | Shivanshu Kamde | 86-89 |
| 27 | Sunil Biswal | 90-92 |
| 28 | Sunita Kusaro | 93-95 |
| 29 | Vivek Shrivas | 96-98 |
| 30 | Yash Tiwari | 99-101 |
| 31 | Yogesh Uikey | |

विभागाध्यक्ष
HOD
इतिहास विभाग
Department of History
गुरुघासीदास विश्वविद्यालय
बिलासपुर(छ.ग.)
Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
Bilaspur (C.G.

Signature and Seal of the Head

# "बिलासपुर संभाग में प्रचलित तीज-त्यौहार का बदलता स्वरूप (वर्तमान परिपेक्ष्य में)"

लघु शोध प्रबंध/परियोजना प्रस्तुत की गई

## गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)

इतिहास में एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर के पंचम प्रश्न पत्र की आंशिक पूर्ति के लिए

शैक्षणिक सत्र 2022-23


**पर्यवेक्षक**

प्रो. प्रदीप शुक्ला

प्राध्यापक

इतिहास विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)

**प्रस्तुतकर्ता**

आकांक्षा कश्यप

GGV/18 /8035

इतिहास विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)

# प्रमाणपत्र

## इतिहास विभाग

## गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

प्रमाणित किया जाता है, कि आकांक्षा कश्यप मास्टर ऑफ आर्ट्स (एम.ए.) के चतुर्थ सेमेस्टर में इतिहास विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.) में "बिलासपुर संभाग में प्रचलित तीज-त्यौहार का बदलता स्वरूप (वर्तमान परिपेक्ष्य में)" पर अपने शोध प्रबंध / परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा किया है।

यह लघु शोध प्रबंध गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर में एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर इतिहास में स्नातक उपाधि हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है। मेरे जानकारी के अनुसार छात्र आकांक्षा कश्यप का यह कार्य पूर्णत: प्राथमिक वा द्वितीयक स्त्रोत पर आधारित है।

दिनांक: 17/07/2023

स्थान: बिलासपुर

प्रो. प्रदीप शुक्ला

प्राध्यापक

इतिहास विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

# अनुक्रमणिका


•आभार

•प्रस्तावना

•उद्देश्य

•साहित्य अवलोकन

•अध्याय 1  त्योहारों का महत्व

• अध्याय 2  बाजपुर में प्रचलित त्योहारों की ऐतिहासिकता।

•अध्याय 3  त्योहारों को मनाने के तरीके।

•अध्याय 4  बिलासपुर संभाग में प्रचलित तीज त्यौहार।

•अध्याय 5  बिलासपुर संभाग में प्रचलित इस त्यौहार में बदलता मूल स्वरूप।

•अध्याय 6  बिलासपुर संभाग में प्रचलित इस त्यौहार में बदलता वर्तमान स्वरूप।

6.1  धार्मिक व राष्ट्रीय पर्व।

6.2 परंपरागत ।

6.3 बाजार का बढ़ता प्रभाव।

6.4 पाश्चात्य पर्वों की स्वीकृति।

6.5 समय का अभाव ।

• उपसंहार

•संदर्भ ग्रंथ सूची


realme Notes

# ['History Of Tibetans Settlement In Mainpat and Their Current Situation']

Dissertation/Project Submitted to

**Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur, (C.G.)**

For the partial fulfilment of the paperV of M.A. 4th Semester in History

Academic Session 2022-23


**Supervised by**

**[Pradeep Shukla]**

[Professor]

Department of History

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur, (C.G.)

**Submitted by**

**[Akhilesh Kujur]**

GGV/21/08301

Department of History

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur, (C.G.)


**Department of History**

**Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur, (C.G.)**

**2023**

# CERTIFICATE

Department of History

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur (C.G.)

This is to certify that **Akhilesh Kujur** , a student inthe 4th Semester ofMaster of Arts(M.A.) History at the Department of History, Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur, (C.G.) has successfully completed his/her dissertation/project on _**'History OfTibetans Settlement In Mainpat and Their Current Situation'**.

I hereby confirm that the matter embodied in the dissertation/project has not been submitted to any other University/Institute for the award of a post-graduation degree at Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur, (C.G).

Date: [17/07/2023]

Place: [Bilaspur]

**[Pradeep Shukla]**

[Professor]

Department of History

Guru Ghasidas University, Bilaspur (C.G.)

# Contents


| | page no. |
|---|---|
| (1) Introduction | 1-2 |
| (2) History of Tibet | 2-12 |
| (3) Situation In Tibet; Then And Now | 13-14 |
| (4) Passage of Tibetans from Tibet to India | 15-16 |
| (5) Issues facing Tibet today | 17-23 |
| (6) His Holiness the Dalai Lama | 24-38 |
| (7) Overview of Tibetan settlement in India | 38-41 |
| (8) Documentation | 41-42 |
| (9) Overview of Mainpat | 43-47 |
| (10) Mainpat (Phendeling) Tibetan Settlement: An Emerging Tourist Destination | 47-49 |
| (11) Tourist places to visit in Mainpat | 49-59 |
| (12) Bibliography | |

" बिलासपुर जिले के अंतर्गत पर्यटन का महत्व तथा वर्तमान समय में प्रासंगिकता – एक ऐतिहासिक अध्ययन"

लघु शोध प्रबंध/परियोजना प्रस्तुत की गई

**गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)**

इतिहास में एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर के पंचम प्रश्न पत्र की आंशिक पूर्ति के लिए

शैक्षणिक सत्र 2022-23


**पर्यवेक्षक**
[डॉ. प्रदीप शुक्ला]
[प्राध्यापक]
इतिहास विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)

**प्रस्तुतकर्ता**
[आयुष कुमार यादव]
GGV/18/8069
इतिहास विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)


**इतिहास विभाग**

**गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)**

**2023**

**प्रमाणपत्र**

इतिहास विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

प्रमाणित किया जाता है, कि **आयुष कुमार यादव** मास्टर ऑफ आर्ट्स (एम.ए.) के चतुर्थ सेमेस्टर ने इतिहास विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.) में **"बिलासपुर जिले के अंतर्गत पर्यटन का महत्व तथा वर्तमान समय में प्रासंगिकता – एक ऐतिहासिक अध्ययन"** पर अपने शोध प्रबंध / परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा किया है।

यह लघु शोध प्रबंध गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर में एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर इतिहास में स्नातक उपाधि हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है। मेरे जानकारी के अनुसार छात्र **आयुष कुमार यादव** का यह कार्य पूर्णत: मेरे द्वारा किया गया है।

दिनांक: 17/07/2023
स्थान: बिलासपुर GGV

**डॉ॰ प्रदीप शुक्ला**
**प्राध्यापक**
इतिहास विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

# विषय सूची


| अध्याय | नाम | पृ. क्र. |
|---|---|---|
| अध्याय 01 | प्रस्तावना | 1-6 |
| अध्याय 02 | रतनपुर | 7-14 |
| अध्याय 03 | मल्हार | 15-23 |
| अध्याय 04 | तालागांव | 24-29 |
| अध्याय 05 | खूटाघाट, नेचर कैम्प , अचानकमार अभ्यारण | 30-43 |
| अध्याय 06 | बिलासपुर के अन्य पर्यटन स्थल | 44-53 |
| अध्याय 07 | छत्तीसगढ़ सरकार की पर्यटन नीतियां एवम योजनाएं | 54-59 |
| अध्याय 08 | पर्यटन विकास की प्रत्याशा | 60-65 |
| अध्याय 09 | पर्यटन केंद्रों का आर्थिक प्रभाव | 66-70 |
| अध्याय 10 | पर्यटन विकास की समस्याए व सुझाव | 71-76 |
| | उपसंहार | 77-80 |
| | तालिका सूची | 81-92 |
| | संदर्भ ग्रंथ सूची | 93-94 |

# HISTORICAL SIGNIFICANCE OF HIRAKUD DAM IN THE CONTEXT OF ODISHA

Dissertation/Project Submitted to

**Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur, (C.G.)**

For the partial fulfilment of the paper V of M.A. 4th Semester in History

Academic Session 2022-23


**Supervised by**

Dr Pradeep Shukla

[Professor]

Department of History

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur, (C.G.)

**Submitted by**

Bhojraj keut

GGV/21/08302

Department of History

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur, (C.G.)


**Department of History**

**Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur, (C.G.)**

**2023**

## CERTIFICATE

Department of History

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur (C.G.)

This is to certify that **Bhojraj Keut**, a student in the 4th Semester of Master of Arts (M.A.) History at the Department of History, Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur, (C.G.) has successfully completed his/her dissertation/project on **Historical Significance Of Hirakud Dam In The Context Of Odisha**

I hereby confirm that the matter embodied in the dissertation/project has not been submitted to any other University/Institute for the award of a post-graduation degree at Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur, (C.G).

Date: 17/07/2023

Place: G.G.V. Bilaspur.

Dr. Pradeep Shukla

[Professor]

Department of History

Guru Ghasidas University, Bilaspur (C.G.)

# CONTENTS


| CHAPTER | NAME | PAGE NO |
|---|---|---|
| CHAPTER-1 | INTRODUCTION | 2-7 |
| CHAPTER-2 | MAHANADI VALLEY DEVELOPMENT | 8-11 |
| CHAPTER-3 | HIRAKUD DAM PROJECT | 12-18 |
| CHAPTER-4 | SURVEYS AND INVESTIGATIONS | 19-23 |
| CHAPTER-5 | RATE OF SILTING OF HIRAKUD RESERVIOIR | 24-27 |
| CHAPTER-6 | RESERVOIR CAPCITY AND RESERVOIR | 28-34 |
| CHAPTER-7 | FLOOD REGULATION, IRRIGATION, POWER, NAVIGATION, MISCELLANEOUS, INDUSTRIAL POSSIBILITIES, DESIGNS | 35-60 |
| CHAPTER-8 | PROGRAMME OF CONSTRUCTION AND ESTABLISHMENT | 61-66 |
| CHAPTER-9 | ESTIMATE OF CONSTRUCATION AND EXPANDITURE | 67-71 |
| CHAPTER-10 | FINANCIAL RESULT | 72 |
| CHAPTER-11 | CONCLUSION | 73 |
| | BIBLIOGRAPHY | 74-75 |

# "छत्तीसगढ़ में हुए प्रमुख आंदोलनों में बिलासपुर जिले का योगदान"

लघु शोध प्रबंध/ परियोजना प्रस्तुत की गई

## गुरुघासीदास विश्व विद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)

इतिहास में एम.ए.चतुर्थ सेमेस्टर के पंचम प्रश्न पत्र की आंशिक पूर्ति के लिए

शैक्षणिक सत्र 2022-23


**पर्यवेक्षक**

प्रो. प्रदीप शुक्ला

प्राध्यापक

इतिहास विभाग

गुरुघासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)

**प्रस्तुतकर्ता**

भुवनेश्वर कुमार साहू

GGV/18 /8320

इतिहास विभाग

गुरुघासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)

**प्रमाणपत्र**

इतिहासविभाग

गुरुघासीदासविश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

प्रमाणितकिया जाता है,कि**भुवनेश्वर कुमार साहू** मास्टर ऑफआर्ट्स(एम.ए.) केचतुर्थसेमेस्टरने इतिहासविभाग, गुरुघासीदासविश्वविद्यालय, बिलासपुर,(छ.ग.)में"**छत्तीसगढ़ में हुए प्रमुख आंदोलनों में बिलासपुर जिले का योगदान**"परअपनेशोधप्रबंध / परियोजनाकोसफलतापूर्वकपूराकियाहै।

यह लघु शोध प्रबंध गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर में एम.ए.चतुर्थ सेमेस्टर इतिहास में स्नातक उपाधि हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है। मेरे जानकारी के अनुसार छात्र **भुवनेश्वर कुमार साहू** का यह कार्य पूर्णता: मौलिक है।

दिनांक: 17/07/2023
स्थान: बिलासपुर

**प्रो. प्रदीप शुक्ला**
प्राध्यापक
इतिहासविभाग
गुरुघासीदासविश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

# विषय सूची


| | | पृ. सं |
|---|---|---|
| अध्याय 1 | शोध प्रस्तावना | 1 |
| 1.1 | उद्देश्य | 2 |
| 1.2 | साहित्य अवलोकन | 2-4 |
| अध्याय 2 | छत्तीसगढ़ का सामान्य परिचए | 5 |
| 2.1 | बिलासपुर जिले का इतिहास | 5-6 |
| अध्याय 3 | नागरिकों में राष्ट्रीय चेतन का विकास | 7-8 |
| अध्याय 4 | बिलासपुर जिले के प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी | 9-12 |
| अध्याय 5 | 1919-1947 के मध्य हुए आंदोलन | 13-26 |
| अध्याय 6 | निष्कर्ष | 27 |
| | संदर्भ ग्रंथ सूची | 28 |

# HISTORICAL AND CULTURAL STUDY OF RIVERS OF CHHATTISGARH

*Dissertation/Project Submitted to*

**Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur, (C.G.)**

*For the partial fulfilment of the paper V of M.A. 4th Semester in History*

Academic Session 2022-23


**Submitted by**

Bindia Jangde

Enrollment no: GGV/18/8321

***Under the supervision of***

Prof. Pradeep Shukla

**Department of History**

**Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur, (C.G.)**


**2023**

**CERTIFICATE**

Department of History

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur (C.G.)

This is to certify that Bindia Jangde, a student in the 4th Semester of Master of Arts (M.A.) History at the Department of History, Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur, (C.G.) has successfully completed his/her dissertation/project on "Historical and cultural study of rivers of Chhattisgarh"

I hereby confirm that the matter embodied in the dissertation/project has not been submitted to any other University/Institute for the award of a post-graduation degree at Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur, (C.G).

Date: 17/7/2023

Place: G.G.V Bilaspur

Prof. Pradeep Shukla

Department of History

Guru Ghasidas University,

Bilaspur (C.G.)

Contents

1. INTRODUCTION ..... 8

1.1. BACKGROUND AND CONTEXT ..... 8

1.2. RESEARCH OBJECTIVE ..... 9

2. LITERATURE REVIEW ..... 10

3. HISTORICAL AND CULTURAL SIGNIFICANCE OF RIVER ..... 12

3.1. DESCRIPTION OF EACH MAJOR RIVERS OF CHHATTISGARH ..... 12

3.1.1. MAHANADI ..... 14

3.1.2. GODAVARI DRAINAGE SYSTEM ..... 27

3.1.3. SONGANGA DRAINAGE SYSTEM ..... 34

3.1.4. BRAHMIN DRAINAGE SYSTEM ..... 37

3.1.5. NARMADA DRAINAGE SYSTEM ..... 38

3.2. RIVER INFLUENCED THE REGION'S HISTORY AND CULTURE ..... 41

3.3. MAJOR PROJECTS AND TOURIST SITES ..... 53

3.4. IMPACT OF HUMAN ACTIVITY IN RIVERS OF CHHATTISGARH ..... 66

4. CONCLUSION ..... 67

# LIST OF FIGURES

Figure 1 Rivers of Chhattisgarh ..... 7
Figure 2. Mahanadi river, Mirouni Dam, Singhanpur, Raigarh-Bilaigarh ..... 15
Figure 3. Tributaries of Mahanadi ..... 20
Figure 4 shivnath river, Rajnandgaon ..... 21
Figure 5 Arpa river, bilaspur ..... 23
Figure 6. Godavari drainage system, Andhra Pradesh ..... 28
Figure 7. Chitrakoot waterfall, on Indravati river, Bastar ..... 30
Figure 8.Shabari river, bastar ..... 34
Figure 9 Songanga Drainage System, amarkantak. ..... 37
Figure 10 Narmada origin, Amarkantak ..... 39
Figure 11 madkudeep , district mungeli ..... 47
Figure 12 Rudrashiva statue and devrani jethani , talagaon ..... 51
Figure 13 khutaghat dam, ratanpur ..... 57
Figure 14 sirpur, mahasamund ..... 60
Figure 15 Danteshwari Temple, datewada ..... 61
Figure 16 Narayanpal Vishnu Temple, bastar ..... 62
Figure 17 Rajiv Lochan Temple , Rajim ..... 62
Figure 18 Mahadev ghat , Raipur ..... 63
Figure 19 Girodhpuri Dham, girodhpuri ..... 64

# LIST OF TABLES

Table 1: The Major Drainage System of Chhattisgarh ..... 13
Table 2 Ancient names of rivers- ..... 40
Table 3 RIVER CONFLUENCE ..... 40
Table 4 MAJOR IRRIGATION PROJECT ..... 53

# "महिला उत्थान में गॉधी जी के चिंतन एवं निहितार्थ"

लघु शोध प्रबंध/परियोजना प्रस्तुत की गई

## गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)

इतिहास में एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

शैक्षणिक सत्र 2022-23


**पर्यवेक्षक**
**[प्रदीप शुक्ला]**
**[प्राध्यापक]**
इतिहास विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)

**प्रस्तुतकर्ता**
**[चंद्रशेखर साहू]**
GGV/18/8322
इतिहास विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)


**इतिहास विभाग**

**गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)**

**2023**

**प्रमाणपत्र**

इतिहास विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

प्रमाणित किया जाता है, कि **चंद्रशेखर साहू** मास्टर ऑफ आर्ट्स (एम.ए.) के चतुर्थ सेमेस्टर ने इतिहास विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.) में **"महिला उत्थान में गाँधी जी के चिंतन एवं निहितार्थ"** पर अपने शोध प्रबंध / परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा किया है।

यह लघु शोध प्रबंध गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर में एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर इतिहास में स्नातक उपाधि हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है। मेरे जानकारी के अनुसार छात्र **चंद्रशेखर साहू** का यह कार्य पूर्णता: मौलिक है।

दिनांक: 14 /07 /2023
स्थान: बिलासपुर

**डॉ॰ प्रदीप शुक्ला**
प्राध्यापक
इतिहास विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

# विषय सूची


| विषय | पेज नंबर |
|---|---|
| घोषणा पत्र | 04 |
| प्रमाण पत्र | 05 |
| आभार | 06 |
| संदर्भ ग्रंथ एवं स्त्रोतो की सूची | 07 |
| गाँधी जी के समय भारतीय समाज एवं महिलाएं | 08–10 |
| गाँधी जी द्वारा राष्ट्रीय आंदोलन हेतु महिलाओ को प्रोत्साहन | 11 |
| राजनीति एवं महिलाएं | 12 |
| महिलाओं के बारे मे गॉधी जी की सोंच | 13–16 |
| नारी उत्थान में महात्मा गांधी जी का योगदान | 17–20 |
| महात्मा गांधी की नजर में भारती महिलाएं | 21 |
| महात्मा गाँधी जी का कस्तूरबा गाँधी से सम्बन्ध व उनकी सोच | 22–23 |
| महात्मा गाँधी जी ने महिला के हित में कहा | 24 |

| | |
|---|---|
| गांधीजी पर महिला सार्वजनिक हस्तियों का प्रभाव | 25 |
| लिंग आधारित भेदभाव के खिलाफ गांधीजी | 26 |
| महिलाओं के योगदान पर गांधीजी | 27–29 |
| गांधीजी का महिलाओ को माता एवं भारत माता का विचार | 30 |
| गाँधी जी की महिला शिक्षा का विचार | 31–32 |
| महिलाओं पर महात्मा गांधी के विचार | 33–35 |
| दोषपूर्ण शिक्षा प्रणाली पर महात्मा गांधी के विचार | 36–37 |
| महात्मा गाँधी और महिलाये | 38–42 |
| स्त्रियों की स्थिति के विषय में गाँधीजी के विचार | 43–49 |
| गाँधीजी के विचार महिलाओं के विशेष संदर्भ में | 50–56 |

# Social, cultural,economical Impact of sambalpur district – A historical Study

Dissertation/Project Submitted to

**Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur, (C.G.)**

For the partial fulfilment of the paperV of M.A. 4th Semester in History

Academic Session 2022-23


**Supervised by**

[Dr Pradeep Shukla

Professor

Department of History

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur, (C.G.)

**Submitted by**

Deepasikha Swain

GGV/21/08303

Department of History

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur, (C.G.)


**Department of History**

**Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur, (C.G.)**

**2023**

# CERTIFICATE

Department of History

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur (C.G.)

This is to certify that **Deepasikha Swain**, a student inthe 4th Semester ofMaster of Arts(M.A.) History at the Department of History, Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur, (C.G.) has successfully completed his/her dissertation/project on **social, cultural and economical Impact of sambalpur district: A historical Study**.

I hereby confirm that the matter embodied in the dissertation/project has not been submitted to any other University/Institute for the award of a post-graduation degree at Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur, (C.G).

Date: 17/07/2023

Place: Bilaspur, C.G.

Dr.Pradeep shukla

[Professor]

Department of History

Guru Ghasidas University, Bilaspur (C.G.)

# Content

1.i. Introductions

ii. objectives
iii. Literature review

2. Various tourist places

I. Samaleswari temple
ii. Ghanteswari temple
iii. Hirakud dam

3. Hirakud dam
4- NuaKhai
5. Sambalpuri handloom
6- Samaleswari temple

7 . Cultural impact of sambalpur district

8. Economical impact of sambalpur district

9. Social impact of sambalpur district

10. conclusion

# "बिलासपुर जिले में गांधीवाद के प्रभाव (1920 - 1947)"

लघु शोध प्रबंध/परियोजना प्रस्तुत की गई

## गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)

इतिहास में एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर के पंचम प्रश्न पत्र की आंशिक पूर्ति के लिए

शैक्षणिक सत्र 2022-23


**पर्यवेक्षक**

[डॉ॰प्रवीण कुमार मिश्र]

[प्रोफेसर]

इतिहास विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)

**प्रस्तुतकर्ता**

[दिव्या भूषण कौशिक]

GGV/18/8096

इतिहास विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)


## इतिहास विभाग

## गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)

2023

Scanned with OKEN Scanner

**प्रमाणपत्र**

इतिहास विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

प्रमाणित किया जाता है, कि **दिव्या भूषण कौशिक** मास्टर ऑफ आर्ट्स (एम.ए.) के चतुर्थ सेमेस्टर ने इतिहास विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.) में **"बिलासपुर जिले में गांधीवाद के प्रभाव (1920 से 1947)"** पर अपने शोध प्रबंध / परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा किया है।

यह लघु शोध प्रबंध गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर में एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर इतिहास में स्नातक उपाधि हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है। मेरे जानकारी के अनुसार छात्र **दिव्या भूषण कौशिक** का यह कार्य पूर्णतः मौलिक है।

दिनांक: 14/07/2023

स्थान: बिलासपुर

**प्रो॰ प्रवीण मिश्र**

प्राध्यापक

इतिहास विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with OKEN Scanner

| अध्याय | विवरण | पृष्ठ क्रमांक |
|---|---|---|
| प्रथम अध्याय | छत्तीसगढ़ एवं बिलासपुर जिले का सामान्य परिचय | 6-12 |
| द्वितीय अध्याय | बिलासपुर जिले में राष्ट्रीय चेतना का विकास | 13-23 |
| तृतीय अध्याय तृतीय अध्याय | बिलासपुर जिले में असहयोग आंदोलन एवं गांधीवाद | 24-27 |
| चतुर्थ अध्याय | बिलासपुर जिले में व्यक्तिगत सत्याग्रह | 28-37 |
| पंचम अध्याय | बिलासपुर जिले में सविनय अवज्ञा आंदोलन | 38-42 |
| षष्टम अध्याय | बिलासपुर जिला 1942 का भारत छोड़ो आंदोलन | 43-50 |
| सप्तम अध्याय | आजादी की प्राप्ति और बिलासपुर जिला | 51-54 |


Scanned with OKEN Scanner

# "छत्तीसगढ़ की कोडाकु जनजाति का अध्यन "

लघु शोध प्रबंध/परियोजना प्रस्तुत की गई

## गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)

इतिहास में एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर के पंचम प्रश्न पत्र की आंशिक पूर्ति के लिए

शैक्षणिक सत्र 2022-23


**पर्यवेक्षक**
**प्रो. प्रवीन कुमार मिश्र**
**प्रोफ़ेसर**
इतिहास विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)

**प्रस्तुतकर्ता**
**दिव्य कुमार चंद्रवंशी**
GGV/21/08304
इतिहास विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)


**इतिहास विभाग**

**गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)**

**2023**

Scanned with OKEN Scanner

# प्रमाणपत्र

इतिहास विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

प्रमाणित किया जाता है, कि **दिव्य कुमार चंद्रवंशी** मास्टर ऑफ आर्ट्स (एम.ए.) के चतुर्थ सेमेस्टर ने इतिहास विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.) में **"छत्तीसगढ़ की कोडाकु जनजाति का अध्यन "** पर अपने शोध प्रबंध / परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा किया है।

यह लघु शोध प्रबंध गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर में एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर इतिहास में स्नातक उपाधि हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है। मेरे जानकारी के अनुसार छात्र **दिव्य कुमार चंद्रवंशी** का यह कार्य पूर्णत: मौलिक है।

दिनांक: 14/07/2023
स्थान: बिलासपुर

**प्रो. प्रवीन कुमार मिश्र**
**प्रोफ़ेसर**

इतिहास विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with OKEN Scanner

# विषयसूची


| | |
|---|---|
| **अध्याय 1 अध्यन योजना** | **1 – 8** |
| प्रस्तवाना | |
| शोध समस्या | |
| शोध के उद्देश्य | |
| शोध प्रविधि | |
| **अध्याय 2 अध्यन क्षेत्र तथा जनसंख्या** | **9 - 16** |
| छत्तीसगढ़ | |
| सरगुजा | |
| **अध्याय 3 प्रजाति तथा भाषा** | **17 – 18** |
| कोड़ाकू जनजाति | |
| **अध्याय 4 सामाजिक सरचना** | **19 – 26** |
| राजनैतिक संगठन | |
| परिवार एवं निवास संरचना | |
| जीविकोपार्जन | |
| कोडाकु जनजाति खान- पान एवं वस्त्र-आभूषण | |
| पशुपालन | |
| विवाह संस्कार | |
| जन्म संस्कार | |
| मृत्यु संस्कार | |
| **अध्याय 5 धार्मिक अनुशीलन** | **27 – 29** |
| मुख्य त्यौहार एवं देवी देवता | |
| कर्मा पुजा | |


Scanned with OKEN Scanner

| | |
|---|---|
| **अध्याय 6 परिवर्तन और योजनाएं** | **30 – 33** |
| संस्कृति संपर्क | |
| कल्याणकारी योजनाएं | |
| **उपसंहार** | **34** |
| **संदर्भ ग्रंथ सूची** | **35** |
| **परिशिष्ट** | **36 - 38** |


Scanned with OKEN Scanner

# "छत्तीसगढ़ राज्य में कोरबा जिला का प्रासंगिकता"

लघु शोध प्रबंध/परियोजना प्रस्तुत की गई

**गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)**

इतिहास में एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर के पंचम प्रश्न पत्र की आंशिक पूर्ति के लिए

शैक्षणिक सत्र- 2022-23


**पर्यवेक्षक**

प्रो. प्रवीन कुमार मिश्र

प्रोफेसर

इतिहास विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय,

बिलासपुर, (छ.ग.)

**प्रस्तुतकर्ता**

गौरव दिवाकर

GGV/17/8088

इतिहास विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय,

बिलासपुर, (छ.ग.)


**इतिहास विभाग**

**गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)**



Scanned with OKEN Scanner

# प्रमाणपत्र

## इतिहास विभाग

## गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

प्रमाणित किया जाता है, कि **गौरव दिवाकर** मास्टर ऑफ आर्ट्स (एम.ए.) के चतुर्थ सेमेस्टर ने इतिहास विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.) में "**छत्तीसगढ़ राज्य में कोरबा जिला का प्रासंगिकता**" पर अपने शोध प्रबंध / परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा किया है। यह लघु शोध प्रबंध गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर में एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर इतिहास में स्नातक उपाधि हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है। मेरे जानकारी के अनुसार छात्र **गौरव दिवाकर** का यह कार्य पूर्णता: मौलिक है।

दिनांक: 12/07/23

स्थान: बिलासपुर

**प्रो. प्रवीन कुमार मिश्र**

प्रोफेसर

इतिहास विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)



Scanned with OKEN Scanner

# विषय सूची


1. विवरण
2. भूगोल
3. प्रश्न का अनुसंधान
4. इतिहास
5. कोरबा कोलफील्ड
    - गेवरा ओपन कास्ट माइनर
    - दीपका ओपन कास्ट माइन
    - कुसमुंडा कोयला खदान
6. तकनीकी
    - भूमिगत प्रौद्योगिकी
    - ओपन कास्ट प्रौद्योगिकी
7. वातावरण
8. बिजली संयंत्र
9. प्रमुख आकर्षण
10. केंदई जलप्रपात
11. कोरबा की संस्कृति
    - त्योहार
    - धर्म और भाषाएं
    - लोकगीत और नृत्य शैलियां
    - कोरबा की जनजाति
12. हसदेव बांगो बांध
13. लेमरू हाथी रिजर्व
14. निष्कर्ष
15. ग्रन्थसूची




Scanned with OKEN Scanner

# "छत्तीसगढ़ के प्रमुख परंपरागत पर्वो की वर्तमान समय में प्रासंगिकता"

लघु शोध प्रबंध/परियोजना प्रस्तुत की गई

**गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)**

एम.ए.चतुर्थ सेमेस्टर इतिहास विभाग

शैक्षणिक सत्र 2022-23


**पर्यवेक्षक**

**प्रो. प्रवीन कुमार मिश्र**

**(विभागाध्यक्ष)**

**इतिहास विभाग**

**गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)**

**प्रस्तुतकर्ता**

**गायत्री पटेल**

**GGV/18/8325**

**इतिहास विभाग**

**गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)**


**इतिहास विभाग**

**गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)**

2023

Scanned with OKEN Scanner

# <u>प्रमाणपत्र</u>

इतिहास विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

प्रमाणित किया जाता है, कि **गायत्री पटेल** मास्टर ऑफ आर्ट्स(एम.ए.) के चतुर्थ सेमेस्टर ने इतिहास विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर,(छ.ग.) में **"छत्तीसगढ़ के प्रमुख परंपरागत पर्वो की वर्तमान समय में प्रासंगिकता"** पर अपने शोध प्रबंध/परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा किया है। यह लघु शोध प्रबंध गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर में एम.ए.चतुर्थ सेमेस्टर इतिहास में परास्नातक उपाधि हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है। मेरे जानकारी के अनुसार छात्रा **गायत्री पटेल** का यह कार्य पूर्णत: मौलिक है।

दिनांक: 20/07/2023

स्थान: बिलासपुर

प्रो. प्रवीन कुमार मिश्र

(विभागाध्यक्ष)

इतिहास विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with OKEN Scanner

# अनुक्रमणिका

**अध्याय 01**

प्रस्तावना.....01-03

**अध्याय 02**

परंपरागत पर्व से आशय.....04

**अध्याय 03**

परंपरागत पर्वों का इतिहास.....05

**अध्याय 04**

भारत में परंपरागत पर्व का संक्षिप्त इतिहास.....06

**अध्याय 05**

छत्तीसगढ़ के प्रमुख परंपरागत पर्व.....07-24

**अध्याय 06**

छत्तीसगढ़ के परंपरागत पर्व की मान्यताएँ.....25-27

**अध्याय 07**

पर्वों की विशेषताएं.....28

**अध्याय 08**

छत्तीसगढ़ के प्रमुख परंपरागत पर्व की वर्तमान में प्रासंगिकता.....29-32

**अध्याय 09**

उपसंहार.....33

संदर्भ ग्रंथ

Scanned with OKEN Scanner

# "माधव राव सप्रे का छत्तीसगढ़ के पत्रकारिता में योगदान"

लघु शोध प्रबंध/परियोजना प्रस्तुत की गई

**गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)**

एम.ए.चतुर्थ सेमेस्टर इतिहास विभाग

शैक्षणिक सत्र 2022-23


पर्यवेक्षक

प्रो. प्रवीन कुमार मिश्र

(विभागाध्यक्ष)

इतिहास विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)

प्रस्तुतकर्ता

गीतांजली पटेल

GGV/18/8326

इतिहास विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)


**इतिहास विभाग**

**गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)**

2023

Scanned with OKEN Scanner

# प्रमाणपत्र

इतिहास विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

प्रमाणित किया जाता है, कि **गीतांजली पटेल** मास्टर ऑफ आर्ट्स(एम.ए.) के चतुर्थ सेमेस्टर ने इतिहास विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर,(छ.ग.) में **"माधव राव सप्रे का छत्तीसगढ़ के पत्रकारिता में योगदान"** पर अपने शोध प्रबंध/परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा किया है। यह लघु शोध प्रबंध गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर में एम.ए.चतुर्थ सेमेस्टर इतिहास में परास्नातक उपाधि हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है। मेरे जानकारी के अनुसार छात्रा गीतांजली पटेल का यह कार्य पूर्णता: मौलिक है।

दिनांक: 19/07/2023

स्थान: बिलासपुर

**प्रो. प्रवीन कुमार मिश्र**

**(विभागाध्यक्ष)**

इतिहास विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with OKEN Scanner

# अनुक्रमाणिका


अध्याय 1

प्रस्तावना.....1-3

अध्याय 2

पत्रकारिता का अर्थ एवं परिभाषा .....4-5

अध्याय 3

भारत एवं छत्तीसगढ़ में पत्रकारिता का विकास.....6-11

अध्याय 4

माधव राव सप्रे का जीवन परिचय.....12-15

अध्याय 5

छत्तीसगढ़ मित्र का प्रथम वर्ष का अंक (1900ई.).....16-28

अध्याय 6

छत्तीसगढ़ मित्र का द्वितीय वर्ष का अंक (1901ई.).....29-36

अध्याय 7

छत्तीसगढ़ मित्र का तृतीय वर्ष का अंक (1902ई.) .....37-46

अध्याय 8

उपसंहार.....47

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची


Scanned with OKEN Scanner

# "पेंड्रागढ़ का इतिहास"

लघु शोध प्रबंध/परियोजना प्रस्तुत की गई

## गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)

इतिहास में एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर के पंचम प्रश्न पत्र की आंशिक पूर्ति के लिए

शैक्षणिक सत्र 2022-23


पर्यवेक्षक
[प्रो. प्रवीन कुमार मिश्र]
[प्रोफेसर]
इतिहास विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)

प्रस्तुतकर्ता
[हरिश शंकर यादव]
GGV/21/08305
इतिहास विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)


## इतिहास विभाग

## गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)

2023

Scanned with OKEN Scanner

**प्रमाणपत्र**

**इतिहास विभाग**

**गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)**

प्रमाणित किया जाता है, कि **हरिश शंकर यादव** मास्टर ऑफ आर्ट्स (एम.ए.) के चतुर्थ सेमेस्टर ने इतिहास विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.) में **"पेंड्रा गढ़ का इतिहास"** पर अपने शोध प्रबंध / परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा किया है।

यह लघु शोध प्रबंध गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर में एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर इतिहास में स्नातक उपाधि हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है। मेरे जानकारी के अनुसार छात्र **हरिश शंकर यादव** का यह कार्य पूर्णत: मौलिक है।

दिनांक: 11/06/2023
स्थान: बिलासपुर

**प्रो.प्रवीन कुमार मिश्र**
प्रोफेसर
इतिहास विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with OKEN Scanner

# विषय सूची


अध्याय 1

प्रस्तावना

पेंड्रागढ़ का इतिहास

छत्तीसगढ़ का नामकरण

कला एवं संस्कृति

अध्याय 2

पेंड्रा गढ़

पेंड्रा गढ़ की स्थिति

नामकरण

अध्याय 3

पेंड्रा जमीदारी एवं उसका इतिहास

अध्याय 4

पेंड्रा गढ़ का सामाजिक इतिहास

वरुण, वस्त्र, मनोरंजन , नारियों की स्थिति,

जनजीवन, शिक्षा

अध्याय 5

पेंड्रा गढ़ का आर्थिक इतिहास


Scanned with OKEN Scanner

पेंड्रा गढ़ की कृषि व्यवस्था,

सिंचाई , वन ,उद्योग, बाजार, पशुपालन,

सिक्के

अध्याय 6

पेंड्रा का धार्मिक इतिहास

शैव,पर्व एवं उत्सव, जनजातीय पर्व

अध्याय 7

उपसंहार (निष्कर्ष)

संदर्भग्रंथ सूची

पत्र पत्रिकाएं

Scanned with OKEN Scanner

# Mahanadi and its Religious Importance

**Prof. Pravin Kumar Mishra**
**Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur, (C.G.)**

For the partial fulfilment of the paper II of M.A. 4th Semester in History
Academic Session 2022-23

**Supervised by**
Prof. Pravin Kumar Mishra
Prof. Head of the Department
Department of History
Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur, (C.G.)

**Submitted by**
Isha Dhirhi
GGV/18/832
Department of History
Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur, (C.G.)

**Department of History**
**Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur, (C.G.)**
**2023**



Scanned with OKEN Scanner

**CERTIFICATE**

Department of History

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur (C.G.)

This is to certify that **Isha Dhirhi**, a student in the 4th Semester of Master of Arts (M.A.) History at the Department of History, Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur, (C.G.) has successfully completed his/her dissertation/project on Mahanadi And Its Religious Importance.

I hereby confirm that the matter embodied in the dissertation/project has not been submitted to any other University/Institute for the award of a post-graduation degree at Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur, (C.G).

Date:

Place: Guru Ghasidas Central University

Prof. Pravin Kumar Mishra

Prof. Head of the Department

Department of History

Guru Ghasidas University, Bilaspur (C.G.)



Scanned with OKEN Scanner

# TABLE OF CONTENTS


| SNO. | PARTICULARS | Page No. |
|---|---|---|
| 1 | Abastract | 7 |
| 2 | Chapter-1 | 8-10 |
| 3 | Chapter-2 | 11-18 |
| 4 | Chapter 3 | 19-45 |
| 5 | Chapter-4 | 46 |
| 6 | Chapter-5 | 48 |
| 7 | Chapter -6 | 49-51 |
| 8 | Chapter-7 | 52-54 |




Scanned with OKEN Scanner

# "पंडवानी साहित्य एवं उनके कलाकार"

लघु शोध प्रबंध/परियोजना प्रस्तुत की गई

## गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)

इतिहास में एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर के प्रश्न पत्र की पूर्ति के लिए

शैक्षणिक सत्र 2022-23


**शोध निर्देशक**
डॉ. सीमा पाण्डेय
सह प्राध्यापक
इतिहास विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)

**प्रस्तुतकर्ता**
जेकब टोप्पो
GGV/18/8329
इतिहास विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)

**प्रमाणपत्र**

इतिहास विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

प्रमाणित किया जाता है, कि **जेकब टोप्पो** एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर इतिहास विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.) में **"पंडवानी साहित्य एवं उनके कलाकार"** पर अपने शोध प्रबंध / परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा किया है। यह लघु शोध प्रबंध गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर में एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर इतिहास में स्नातकोत्तर उपाधि हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है।

दिनांक: 18/07/23
स्थान: बिलासपुर

**डॉ॰ सीमा पाण्डेय**
सह प्राध्यापक
इतिहास विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

डॉ. सीमा पाण्डेय
सह-आचार्य
इतिहास विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय

# पंडवानी साहित्य एवं उनके कलाकार


पृष्ठ क्रमांक

- अध्ययन का उद्देश्य 3
- अध्ययन का महत्व 4
- अध्ययन की विधियां 4
- साहित्य पुनरीक्षण 5
- सीमाएं 6
- प्रस्तावना 7-9
- पंडवानी क्या है 10
- ऐतिहासिक पृष्ठभूमि 11-14
- भूमिका 15-18

**अध्याय – 1** 19-62

पंडवानी साहित्य - परधान पंडवानी

महाधान की लड़ाई

**अध्याय – 2** 63-74

पंडवानी साहित्य - देवार पंडवानी

**अध्याय – 3** 75-90

पंडवानी साहित्य - सबल सिंह

चौहान महाभारत

पृष्ठ क्रमांक

**अध्याय – 4** 91-100

पंडवानी के प्रमुख कलाकार

- झाड़ूराम देवांगन
- पुनाराम निषाद
- ऋतु वर्मा
- उषा बारले
- तीजन बाई

. उपसंहार 101-102

. परिशिष्ट – छायाचित्र 103-107

. संदर्भग्रंथ 108-109

# "मल्हार का प्राचीन इतिहास और प्रमुख पुरातत्व स्थल"

लघु शोध प्रबंध/परियोजना प्रस्तुत की गई

# गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)

इतिहास में एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर के द्वितीय प्रश्न पत्र की आंशिक पूर्ति के लिए

शैक्षणिक सत्र 2022-23


पर्यवेक्षक

डॉ. सीमा पांडेय

सह प्राध्यापक

इतिहास विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)

प्रस्तुतकर्ता

जितेश्वर प्रसाद पांडेय

GGV/18/8330

इतिहास विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)

## प्रमाणपत्र

इतिहास विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

प्रमाणित किया जाता है, कि **जितेश्वर प्रसाद पांडेय** मास्टर ऑफ आर्ट्स (एम.ए.) के चतुर्थ सेमेस्टर ने इतिहास विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.) में " **मल्हार का प्राचीन इतिहास और प्रमुख पुरातत्व स्थल**" पर अपने शोध प्रबंध / परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा किया है।

यह लघु शोध प्रबंध गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर में एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर इतिहास में स्नातक उपाधि हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है। मेरे जानकारी के अनुसार छात्र **जितेश्वर प्रसाद पांडे** का यह कार्य पूर्णता: मौलिक है।

दिनांक: 14/07/2023

स्थान: बिलासपुर

**डॉ. सीमा पांडेय**

सह प्राध्यापक

इतिहास विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)

डॉ. सीमा पाण्डेय
सह-आचार्य
इतिहास विभाग
गु. घा. वि. बिलासपुर (छ.ग.)

# अनुक्रमाणिका


| क्र. | अध्याय | विषयवस्तु |
|---|---|---|
| 1. | अध्याय एक | अध्यापन परियोजना<br>1.1 – प्रस्तावना<br>1.2 - शोध समस्या<br>1.3 - शोध का उद्देश्य<br>1.4 - शोध का महत्त्व<br>1.5 - शोध की सीमाएं |
| 2. | अध्याय दो | साहित्य पुनरीक्षण |
| 3. | अध्याय तीन | मल्हार का प्राचीन गढ़<br>3.1 मल्हार में उत्खनन |
| 4. | अध्याय चार | मल्हार के प्रमुख राजवंश |
| 5. | अध्याय पांच | पातालेश्वर केदार मन्दिर |
| 6. | अध्याय छः | डिडिनेश्वरी माता मन्दिर |
| 7. | अध्याय सात | देउर मन्दिर |
| 8. | अध्याय आठ | श्री नंदमहल-मल्हार के अन्य दर्शनीय स्थल |
| 9. | अध्याय नौ | संग्रहालय तथा प्रमुख प्रतिमाएँ |
| 10. | अध्याय दस | मल्हार से प्राप्त सिक्के एवं शिले |
| 11. | अध्याय ग्यारह | बौद्ध और जैन प्रतिमाएँ |

# छत्तीसगढ़ के प्रमुख विष्णु मंदिरों की ऐतिहासिकता की विवेचना

लघु शोध/प्रबंध परियोजना प्रस्तुत की गई

## गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

इतिहास में एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर के पंचम प्रश्न पत्र की अंशिक पूर्ति के लिये
शैक्षणिक सत्र - 2022-23


पर्यवेक्षक
डॉ. सीमा पाण्डेय
(सह-प्राध्यापक)
इतिहास विभाग गुरु घासीदास
विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

प्रस्तुतकर्ता
करिश्मा चक्रधारी
(GGV/21/08306)
इतिहास विभाग गुरु घासीदास
विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)


इतिहास विभाग गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

2023

# प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि, करिश्मा चक्रधारी ने मेरे मार्गदर्शन में " "छत्तीसगढ़ के प्रमुख विष्णु मंदिरों की ऐतिहासिकता की विवेचना " विषय पर अपना लघु शोध प्रबंध पूरा किया है। यह लघु शोध विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है। जिसमें विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किये जाने की संस्तुति करती हूँ।

शोध मार्गदर्शक

डॉ. सीमा पाण्डेय

डॉ. सीमा पाण्डेय
इतिहास विभाग
गु.घा.वि.वि. बिलासपुर (छ.ग.)
सह-प्राध्यापक

स्थान- बिलासपुर (छ.ग.)

दिनांक- 19/07/23

(इतिहास विभाग)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग )

# अध्यायों की शीर्षक कि रूपरेखा


| | | |
|---|---|---|
| अध्याय - एक<br>अध्ययन परियोजना | 1.1. प्रस्तावना<br>1.2. शोध समस्या<br>1.3. लघु शोध का उद्देश्य<br>1.4. लघु शोध का महत्व<br>1.5. शोध प्रविधि | 1-5 |
| अध्याय - दो | शोध साहित्य पुरावलोकन | 6-7 |
| अध्याय - तीन | छत्तीसगढ़ का परिचय | 8-13 |
| अध्याय - चार<br><br>छत्तीसगढ़ के प्रमुख विष्णु मंदिर | • राजीव लोचन मंदिर (राजिम)<br>• लक्ष्मण मंदिर (सिरपुर)<br>• नर नारायण मंदिर (जांजगीर छापा)<br>• इन्दलदेव मंदिर (खरौद)<br>• शिवरीनारायण मंदिर ( शिवरीनारायण)<br>• महेशपुर का विष्णु मंदिर ( सरगुजा)<br>• नारायणपाल मंदिर (बस्तर)<br>• विष्णु मंदिर (जांजगीर)<br>• नारायण मंदिर ( खल्लारी) | 14-57 |
| अध्याय –पांच<br><br>छत्तीसगढ़ की प्रमुख<br>विष्णु मूर्तिया | • मल्हार विष्णु मूर्ति<br>• राजीव लोचन विष्णु मूर्ति<br>• चतुर्भजी विष्णु मूर्ति<br>• विष्णु केशवनारायण मूर्ति<br>• सिरपुर मंदिर की मूर्ति<br>• वामन मंदिर मूर्ति<br>• गरूड़ासीन लक्ष्मीनारायण मूर्ति<br>• पुजारीपाली मूर्ति | 58-64 |
| अध्याय - छः | उपसंहार<br>संदर्भ ग्रंथ सूची | 65-68 |

# PROMINENT SHAIVITE TEMPLE OF CHHATTISGARH

Dissertation/Project Submitted to **Dr.Seema pandey.**

## Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur, (C.G.)

For the partial fulfilment of the paper II of M.A. 4th Semester in History

Academic Session 2022-23


**Supervised by**

**Dr.Seema Pandey**

Assistant professor

Department of History

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur, (C.G.)

**Submitted by**

Lipi kumari

GGV/18/8332

Department of History

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur, (C.G.)


## Department of History

## Guru GhasidasVishwavidyalaya, Bilaspur, (C.G.)

## 2023

# CERTIFICATE

Department of History

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur (C.G.)

This is to certify that **Lipi Kumari** a student in the 4th Semester of Master of Arts (M.A.) History at the Department of History, Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur, (C.G.) has successfully completed his/her dissertation/project on Prominent shaivite temple of Chhattisgarh.

I hereby confirm that the matter embodied in the dissertation/project has not been submitted to any other University/Institute for the award of a post-graduation degree at Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur, (C.G).

Date: 17-07-2023

Place: Bilaspur

Dr.Seema pandey

डॉ. सीमा पाण्डेय
सह-आचार्य
इतिहास विभाग
गु.घा.वि.वि. बिलासपुर (छ.ग.)

Assistant Professor

Department of History

Guru Ghasidas University, Bilaspur (C.G.)

# TABLE OF CONTENTS:


| Sno. | Particular | Page.no |
|---|---|---|
| 1 | Abstract | 5-6 |
| 2 | Introduction | 7-8 |
| 3 | Research Problem | 9 |
| 4 | Research Objective | 10-12 |
| 5 | Importance of Research | 13-14 |
| 6 | Research Methodology | 15 |
| 7 | Limitations Of research | 16-17 |
| 8 | Literature Review | 18-19 |
| 9 | Chapter-1 | 20-27 |
| 10 | Chapter-2 | 28-48 |
| 11 | Chapter-3 | 49-54 |
| 12 | Chapter-4 | 55-62 |
| 13 | Conclusion | 63-67 |
| 14 | Appendix | 68-78 |
| 15 | Bibliography | 79 |

# "बैरिस्टर छेदीलाल की वैधानिक उपलब्धियों का विश्लेषणात्मक अध्ययन

# (1920–1950 ई.)"

लघु शोध प्रबंध/परियोजना प्रस्तुत की गई

## गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)

इतिहास में एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर के प्रश्न पत्र की पूर्ति के लिए

शैक्षणिक सत्र 2022-23


**शोध निर्देशक**
डॉ. सीमा पाण्डे
सह प्राध्यापक
इतिहास विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)

प्रस्तुतकर्ता
माधव कुमार
GGV/18/8333
इतिहास विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)

प्रमाणपत्र

इतिहास विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

प्रमाणित किया जाता है, कि **माधव कुमार** एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर के इतिहास विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.) में **"बैरिस्टर छेदीलाल की वैधानिक उपलब्धियों का विश्लेषणात्मक अध्ययन (1920–1950 ई.)"**पर अपने शोध प्रबंध / परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा किया है। यह लघु शोध प्रबंध गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर में एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर इतिहास में स्नातकोत्तर उपाधि हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है।

दिनांक: 12/07/2023
स्थान: बिलासपुर

डॉ॰ सीमा पाण्डेय
सह प्राध्यापक
इतिहास विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

डॉ॰ सीमा पाण्डेय
सह-आचार्य
इतिहास विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

# अनुक्रमणिका


| | पृष्ठ क्रमांक |
|---|---|
| • प्रस्तावना | 6 |
| • अध्ययन का उद्देश्य | 7-8 |
| • अध्ययन का महत्व | 9 |
| • अध्ययन की विधियां | 10 |
| • अध्ययन की सीमाए | 11 |
| • साहित्य पुर्नरीक्षण | 12-14 |
| अध्याय (1) - बैरिस्टर छेदीलाल का जीवन परिचय एवं राजनीति में प्रवेश | 15-27 |
| • पारिवारिक परिचय | |
| • जन्म एवं शिक्षा | |
| • प्रारंभिक कार्य | |
| • राजनीति में प्रवेश | |
| अध्याय (2) - स्वतंत्रता आंदोलनों में सक्रिय राजनीतिक सहभागिता | 28-47 |
| • बैरिस्टर साहब की जलियांवाला बाग हत्याकांड के प्रति प्रतिक्रिया | |
| • स्वराज दलीय राजनीति में सहयोग | |

पृष्ठ क्रमांक


- श्रमिक राजनीति में नेतृत्व
- कांग्रेस में प्रवेश
- सविनय अवज्ञा आंदोलन की राजनीतिक

गतिविधियों **में सहयोग**

- **1933** के चुनाव में राजनीतिक सहभागिता
- **1939** के त्रिपुरी अधिवेशन में सक्रिय राजनीतिक सहभागिता
- द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अंग्रेजों का विरोध
- व्यक्तिगत सत्याग्रह **1940**
- 1942 के आंदोलन में राजनीतिक सहयोग
- जमीदारी उन्मूलन में सहयोग

अध्याय **(3) -** बैरिस्टर छेदीलाल के वैधानिक कार्य एवं अन्य 48-55

गतिविधियां

- संविधान सभा **के** सदस्य
- वकालत व्यवसाय
- कांग्रेस से त्यागपत्र
- हालैण्ड की स्वाधीनता का इतिहास

**उपसंहार** 56-59

**परिशिष्ट - छायाचित्र** 60-63

**संदर्भ ग्रंथ सूची** 64-65

# Tribal Movement In Odisha; A Case Study Of Saheed Laxman Naik

Dissertation/Project Submitted to

**Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur, (C.G.)**

For the partial fulfilment of the paper V of M.A. 4th Semester in History

Academic Session 2022-23


**Supervised by**

Dr. Seema Pandey

[Associate Professor]

Department of History

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur, (C.G.)

**Submitted by**

Manas Sahu

GGV/21/08307

Department of History

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur, (C.G.)


**Department of History**

**Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur, (C.G.)**

**2023**

**CERTIFICATE**

Department of History

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur (C.G.)

This is to certify that **Manas Sahu**, a student in the 4th Semester of Master of Arts (M.A.) History at the Department of History, Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur, (C.G.) has successfully completed his/her dissertation/project on **Tribal Movement In Odisha; A Case Study Of Saheed Laxman Naik**.

I hereby confirm that the matter embodied in the dissertation/project has not been submitted to any other University/Institute for the award of a post-graduation degree at Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur, (C.G).

Date: 12/07/23

Place: Bilaspur

Dr. Seema Pandey
डॉ. सीमा पाण्डेय
सह-आचार्य
इतिहास विभाग
गु.घा.वि.वि. बिलासपुर (छ.ग.)
Associate Professor
Department of History

Guru Ghasidas University, Bilaspur (C.G.)

# CONTENTS


| CHAPTER | NAME | PAGE NO |
|---|---|---|
| CHAPTER-1 | INTRODUCTION | 1-3 |
| CHAPTER-2 | TRIBAL MOVEMENT IN INDIA | 4-23 |
| CHAPTER-3 | TRIBAL SOCIAL MOVEMENTS IN ODISHA | 24-30 |
| CHAPTER-4 | ROLE OF TRIBAL LEADERS TOWARDS NATIONAL MOVEMENT | 31-43 |
| CHAPTER-5 | LAXMAN NAIK & HIS EARLY LIFE | 44-46 |
| CHAPTER-6 | ROLE OF LAXMAN NAIK IN TRIBAL MOVEMENT OF ODISHA | 47-48 |
| CHAPTER-7 | AS A SAHEED LAXMAN NAIK | 49-50 |
| CHAPTER-8 | CONCLUSION | 51-54 |
| | BIBILIOGRAPHY | 55-56 |

# छत्तीसगढ़ के प्रमुख जनजातीय विद्रोह (1774-1910 ई.तक)

लघु शोध प्रबंध/परियोजना प्रस्तुत की गई

## गुरु घासीदास विश्वविद्यालय,बिलासपुर (छ.ग.)

इतिहास में एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर के पंचम प्रश्न पत्र की आंशिक पूर्ति के लिए

शैक्षणिक सत्र 2022-23


मार्गदर्शक

**डॉ.सीमा पाण्डेय**

**(सह- प्राध्यापक)**

इतिहास विभाग गुरु घासीदास

विश्वविद्यालय,बिलासपुर (छ.ग.)

प्रस्तुतकर्ता

**नारद बंजारा**

**(GGV/18/8335)**

इतिहास विभाग गुरु घासीदास

विश्वविद्यालय,बिलासपुर (छ.ग.)


**इतिहास विभाग गुरु घासीदास विश्वविद्यालय,बिलासपुर (छ.ग.)**

**2023**

# प्रमाण पत्र

इतिहास विभाग

यह प्रमाणित किया जाता है कि, **नारद बंजारा** मास्टर ऑफ आर्ट्स(एम.ए.) के चतुर्थ सेमेस्टर ने इतिहास विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.) में **"छत्तीसगढ़ के प्रमख जनजातीय विद्रोह (1774-1910ई तक)"** विषय पर अपना लघु-शोध प्रबंध/ परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा किया है।

यह लघु शोध प्रबंध गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर में एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर इतिहास में परास्नातक उपाधि हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है। मेरे जानकारी के अनुसार छात्र **नारद बंजारा** का यह कार्य पूर्णता: मौलिक है।

**शोध मार्गदर्शक-**

डॉ. सीमा पाण्डेय
सह-आचार्य
इतिहास विभाग
गु.घा.वि.वि. बिलासपुर (छ.ग.)

**डॉ. सीमा पाण्डेय**

**सह-प्राध्यापक**

**(इतिहास विभाग)**

**गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग)**

स्थान- बिलासपुर (छ.ग.)

दिनांक-

# अनुक्रमणिका


पृष्ठ संख्या

**अध्याय एक -:** अध्याय परियोजना - 01-04

1.1 प्रस्तावना.....01-02

1.2 शोध समस्या .....02

1.3 अध्ययन का उद्देश्य.....02

1.4 शोध का महत्व .....03

1.5 अध्ययन की विधियाँ .....03

1.6 शोध सीमाएँ.....04

**अध्याय दो** :- साहित्य पुनरीक्षण .....05-06

**अध्याय तीन** :- छत्तीसगढ़ का प्रमुख जनजातिय विद्रोह

(1774-1910ई.तक) 07-23

3.1 हल्बा विद्रोह (1774-1777ई.तक).....7-17

3.2 भोपलपट्टनम संगर्ष (1795ई.) .....18-23

**अध्याय चार :-** 24-29

4.1 परलकोट विद्रोह (1825ई.).....24-27

4.2 तारापुर विद्रोह (1842-1853ई.तक) .....28-29

**अध्याय पांच :-** **35-47**

5.1 मेरिया विद्रोह (1842-1863ई.तक) .....35-41

5.2 लिंगागिरी विद्रोह (1856ई.) .....42-47

**अध्याय छः :-** **48-69**

6.1 कोई विद्रोह (1859ई.) 3.....48-53

6.2 मुरिया विद्रोह (1876ई.) .....54-62

6.3 भूमकाल विद्रोह (1910ई.) .....63-69

**अध्याय सात :-** **70-73**

निष्कर्ष.....70-71

संदर्भ सूची.....72-73

# "साहित्यकार पत्रकार पद्मश्री

# पंडित श्याम लाल चतुर्वेदी जी

# एक ऐतिहासिक व्यक्तित्व"

लघु शोध प्रबंध/परियोजना प्रस्तुत की गई

## गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)

इतिहास में एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर के प्रश्न पत्र की पूर्ति के लिए

शैक्षणिक सत्र 2022-23


पर्यवेक्षक
डॉ. सीमा पाण्डे
सह प्राध्यापक
इतिहास विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)

प्रस्तुतकर्ता
ओसामा अंसारी
GGV/18/8337
इतिहास विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)

# प्रमाणपत्र

## इतिहास विभाग

## गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

प्रमाणित किया जाता है, कि ओसामा अंसारी मास्टर ऑफ आर्ट्स (एम.ए.) के चतुर्थ सेमेस्टर ने इतिहास विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.) में "साहित्यकार पत्रकार पद्मश्री पंडित श्याम लाल चतुर्वेदी जी एक ऐतिहासिक व्यक्तित्व" पर अपने शोध प्रबंध / परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा किया है।

यह लघु शोध प्रबंध गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर में एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर इतिहास में परास्नातक उपाधि हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है। मेरे जानकारी के अनुसार छात्र ओसामा अंसारी का यह कार्य पूर्णता: है।

दिनांक: ~~28/06/2023~~

स्थान: बिलासपुर

डॉ. सीमा पाण्डे
सह प्राध्यापक
इतिहास विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

डॉ. सीमा पाण्डेय
सह-आचार्य
इतिहास विभाग
गु. घा. वि. बिलासपुर (छ.ग.)

## अध्यायों के शीर्षक की रूपरेखा — पृष्ठ सं


- प्रस्तावना 4-5
- शोध समस्या 6
- साहित्य पुर्ननिरीक्षण 7
- अध्ययन का महत्व 8
- अध्ययन का उद्देश्य 8
- शोध प्रविधि 9

अध्याय (1) प्रारंभिक जीवन एवं शिक्षा 10-24

अध्याय (2) पत्रकारिता में योगदान 25-30

अध्याय (3) राजनीतिक जीवन 31-34

अध्याय (4) साहित्यिक रचनाएं 35-36

कुछ महत्वपूर्ण रचनाएं-

- जब आइस बादर करीया 37-43
- राम बनवास 44-48
- पर्रा भर लाई (काव्य संग्रह) 49-55
- भोलावा भोलोराम बनीस (कहानी संग्रह) 56-57
- बेटी के बिदा 57-62
- धरती रानी हरियागे 63-69
- उंकर अगोरा म 70-76
- लगथे आजेच उन आही 77-80
- कुहुक के कल्लई 81-88
- घाम छांव अनबनंक 89-95
- राउत के दुनिया 96-101
- किसान के कलकुत 102-106
- करम के लाहो लेना हे 107-111

- जीत हमार तिचट पक्का हे 112-119
- परमेस्वर के आसन 120-125
- पंच पंच कस होना चाही 125-128
- ये धरती करमड़ता के हय 129-131
- छत्तीसगढ़ के बासी 132-133
- मनमतिया के तिजहाई 134-137

अप्रकाशित साहित्य

- नाट्य साहित्य 138-140
- कहानी 140
- कविताएं 141-145
- छत्तीसगढ़ी लोकसाहित्य 145-146
- संस्मरणात्मक निबंध 147-148

अध्याय (6) पुरस्कार एव सम्मान 149-150

उपसंहार 151-152

परिशिष्ट – छायाचित्र 153-157

संदर्भ ग्रंथ सूची 158

पत्र – पत्रिकाएं 159

वेब लिंक 159

# "बैगा जनजाति का सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, शैक्षणिक अध्ययन तथा महिलाओं का योगदान"

लघु शोध प्रबंध प्रस्तुत की गई

**गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)**

इतिहास में एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर के प्रथम प्रश्न पत्र की आंशिक पूर्ति के लिए

शैक्षणिक सत्र 2023-24


**पर्यवेक्षक**

**डॉ॰ घनश्याम दुबे**

सह प्राध्यापक

इतिहास विभाग

गुरु घासीदास वि. य, बिलासपुर, (छ.ग.)
(छ.ग.)

**प्रस्तुतकर्ता**

**पंकज सिंह**

नामांकन संख्या: GGV/17/8157

इतिहास विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर,


**इतिहास विभाग**
**गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)**
**2023**



Scanned with OKEN Scanner

# प्रमाणपत्र

## इतिहास विभाग

## गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

प्रमाणित किया जाता है, कि पंकज सिंह मास्टर ऑफ आर्ट्स (एम.ए.) के चतुर्थ सेमेस्टर ने इतिहास विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.) में "बैगा जनजाति का सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, शैक्षणिक अध्ययन" पर अपने शोध प्रबंध को सफलतापूर्वक पूरा किया है।

यह लघु शोध प्रबंध गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर में एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर इतिहास में स्नातक उपाधि हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है। मेरे जानकारी के अनुसार छात्र पंकज सिंह का यह कार्य पूर्णता: मौलिक है।

दिनांक: .....

स्थान: बिलासपुर

**डॉ॰ घनश्याम दुबे**

सह प्राध्यापक

इतिहास विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)



Scanned with OKEN Scanner

# अनुक्रमणिका


| | पृष्ठ संख्या |
|---|---|
| **परिचय** | 7 |
| **सामाजिक-सांस्कृतिक परिदृश्य तथा जीवन।** | 8-20 |
| 1.1 जनसंख्या एवम् भौतिक वितरण | |
| 1.2 उत्पत्ति | |
| 1.3 भौतिक संस्कृति | |
| 1.4 आर्थिक जीवन | |
| 1.5 सामाजिक जीवन | |
| 1.6 परिवार व्यवस्था | |
| 1.7 बैगानी बोली | |
| 1.8 जन्म, विवाह एवम् मृत्यु संस्कार | |
| 1.8.1 जन्म संस्कार | |
| 1.8.2 विवाह संस्कार | |
| 1.8.3 मृत्यु संस्कार | |
| 1.9 राजनैतिक संगठन | |
| 1.10 धार्मिक जीवन | |
| 1.11 लोक कलाएं | |
| 1.12 बैगाओ का पहनावा | |
| 1.13 परिवर्तन | |
| 1.14 समस्याएं | |
| **2. शैक्षणिक स्थिति** | 21-22 |
| 2.1 साक्षरता | |
| 2.2 शैक्षणिक स्थिति | |
| 2.3 बच्चो में साक्षरता | |
| **3. आर्थिक स्थिति** | 23-24 |
| 3.1 कार्यशीलता | |
| 3.2 मुख्य व्यवसाय | |
| 3.3 वर्ष में रोजगार प्राप्ति की अवधि | |
| 3.4 परंपरागत व्यावसायिक कला-कौशल | |
| 3.5 भूमि धारक एवं भूमिहीन परिवार | |
| 3.6 कृषि नहीं करने के कारण | |
| 3.7 भूमि उपयोग एवं प्रति परिवार औसत भूमि | |
| **4 बैगा जनजाति में महिलाएं** | 25-26 |




Scanned with OKEN Scanner

4.1 सामाजिक आर्थिक कार्यों में स्त्री सहभागिता
4.1.1 घरेलू कार्य
4.1.2 संपत्ति पर अधिकार
4.1.3 आर्थिक कार्य
4.1.4 वनोपज संग्रह
4.1.5 पशुधन
4.2 राजनीतिक कार्यों में स्त्री की सहभागिता
4.2.1 परंपरागत जाति पंचायत
4.2.2. आधुनिक जाति पंचायत
**निष्कर्ष**

27



Scanned with OKEN Scanner

# छत्तीसगढ़ की महत्वाकांक्षी परियोजना: "राम वन गमन पर्यटन परिपथ परियोजना"

## लघु शोध प्रबंध

# गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

इतिहास में एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर के पंचम प्रश्नपत्र की आंशिक पूर्ति के लिए

शैक्षणिक सत्र 2022-23


मार्गदर्शक

**डॉ.घनश्याम दुबे**

(सह -प्राध्यापक )

इतिहास विभाग,गुरु घासीदास

विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

प्रस्तुतकर्ता

**प्रकाश कौर**

(GGV/17/8161)

इतिहास विभाग,गुरु घासीदास

विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)



**इतिहास विभाग,गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)**

**2023**


Scanned with OKEN Scanner

# प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है, कि **प्रकाश कौर** ने मेरे मार्गदर्शन में "**छत्तीसगढ़ की महत्वाकांक्षी परियोजना :राम वन गमन पर्यटन परिपथ परियोजना**" विषय पर अपना लघु-शोध प्रबंध पूरा किया है। यह लघु-शोध विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है। जिसमें विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मै इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किये जाने की संस्तुति करता हूँ |

दिनांक-

स्थान-बिलासपुर (छ.ग.)

डॉ. घनश्याम दुबे

(सह-प्राध्यापक)

इतिहास विभाग

गुरु घासीदास,विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with OKEN Scanner

## अनुक्रमणिका


पृष्ठ संख्या

अध्याय 1. प्रस्तावना एवं शोध पद्धति 1-8

1.1 प्रस्तावना.....1-3

1.2 शोध समस्या .....3-4

1.3 साहित्य पुनरीक्षण .....4-6

1.4 शोध उद्देश्य.....6

1.5 शोध परिकल्पना.....7

1.6 शोध का महत्व.....7

1.7 शोध प्रविधि.....7-8

1.8 शोध उपकरण.....8

1.9 आंकड़ा संकलन.....8

अध्याय 2. राम वन गमन पर्यटन परिपथ परियोजना का शुभारंभ 9-18

2.1 परियोजना के उद्देश्य.....9-10

2.2 परियोजना द्वारा किए जा रहे विकास.....10-14

2.3 परियोजना के सकारात्मक पक्ष.....14-16

2.4 परियोजना की प्रमुख विशेषताएं .....16-17

2.5 परियोजना का महत्व..... 17-18

अध्याय 3. परियोजना में चयनित स्थलों का इतिहास 19-44

3.1 सीतामढ़ी हरचौंका (मनेन्द्रगढ़ ,चिरमीरी,भरतपुर).....19-21


Scanned with OKEN Scanner

3.2 रामगढ़ (सरगुजा).....21-25

3.3 शिवरीनारायण (जांजगीर-चांपा).....25-28

3.4 तुरतुरिया (बलौदाबाज़ार).....28-30

3.5 चंदखुरी (रायपुर).....31-33

3.6 राजिम (गरियाबंद).....33-41

3.7 सिहावा सप्तऋषि आश्रम (धमतरी).....41-43

3.8 जगदलपुर (बस्तर).....43

3.9 रामाराम (सुकमा).....44

अध्याय 4. आंकड़ों का प्रस्तुतिकरण एवं विश्लेषण- 45-54

उपसंहार.....55-56

संदर्भ ग्रंथ सूची.....57-58

परिशिष्ट .....59-61

Scanned with OKEN Scanner

# "छत्तीसगढ़ की कला और संस्कृति"

लघु शोध प्रबंध

## गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)

इतिहास में एम.ए.चतुर्थ सेमेस्टर के पंचम प्रश्न पत्र की आंशिक पूर्ति के लिए शैक्षणिक

सत्र 2022-23


**पर्यवेक्षक**

**डॉ॰ घनश्याम दुबे**

**(सह प्राध्यापक)**

**तिहास विभाग गुरु घासीदास**

**श्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)**

**प्रस्तुतकर्ता**

**शिवांशु कामड़े**

**(GGV/18/8343)**

**इतिहास विभाग गुरु घासीदास**

**विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)**



**इतिहास विभाग गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)**

**2023**


Scanned with OKEN Scanner

# प्रमाणपत्र

इतिहास विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

प्रमाणित किया जाता है, कि **शिवांशु कामड़े** मास्टर ऑफ आर्ट्स (एम.ए.) के चतुर्थ सेमेस्टर ने इतिहास विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर,(छ.ग.) में **"छतीसगढ़ की कला और संस्कृति** "पर अपने शोध प्रबंध को सफलतापूर्वक पूरा किया है। यह लघु शोध प्रबंध गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर में एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर इतिहास में स्नातक उपाधि हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है। मेरे जानकारी के अनुसार छात्र **शिवांशु कामड़े** का यह कार्य पूर्णता: मौलिक है।

दिनांक:

स्थान: बिलासपुर

**डॉ॰ घनश्याम दुबे**

**सह प्राध्यापक**

**इतिहास विभाग**

**गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)**

Scanned with OKEN Scanner

# अनुक्रमाणिका


अध्याय 1 प्रस्तावना 1

शोध समस्या, साहित्यिक पुनरीक्षण, शोध का महत्व, शोध का उद्देश्य, परिकल्पना, शोध प्रविधि

अध्याय 2 कला और संस्कृति - परिचय 3

कला क्या है, संस्कृति क्या है, संस्कृति का भेद, सभ्यता और संस्कृति, छतीसगढ़ की कला व संस्कृति का विकास, छतीसगढ़ संस्कृति की विशेषताएं

अध्याय 3 छत्तीसगढ़ - नामकरण एवं प्राचीन इतिहास 7

छत्तीसगढ़ का नामकरण- दक्षिण कोसल, कोसल, महाकोसल, चेदिसगढ़, प्राचीन इतिहास- पाषाण युग, रामायण काल, महाभारत काल

अध्याय 4 छत्तीसगढ़ी भाषा : परिचय एवं नामकरण 10

भाषा, वोली, विभाषा, भाषा और राजभाषा, छतीसगढ़ी भाषा, राजभाषा छतीसगढ़ी का विकास क्रम, छत्तीसगढ़ मे प्रचलित भाषा और बोलियों का सामान्य परिचय

अध्याय 5 छत्तीसगढ़ - आभूषण, पहनावा एवं व्यंजन 14

आभूषण- महिलाओ द्वारा पहने जाने वाले गहने, पुरूषो के गहने, बच्चो के गहने, आभूषणो का वर्णन, पहनावा, व्यंजन- कलेवा, व्यंजनो का वर्णन, रोटी, बरी, कढ़ी

अध्याय 6 छत्तीसगढ़ के खेल 29

अटकन- बटकन, खुडुवा(कबड्डी), फुगड़ी, लंगड़ी,भौरा, बांटी, चिड़िया उड़, बैला दौड़, डंडा पचरंगा, नदी पहाड़, भदउला, पुतरा- पुतरी, गोंटा, लंगरची छुअउल ,पिटुल, रेस टीप, तिरी पासा, गुंटुली, गिल्ली डंडा, आखी मूंदा, छ-छुवउल, बिल्लस


Scanned with OKEN Scanner

अध्याय 7 छत्तीसगढ़ के त्योहार/पर्व 33

देवारी. पीतर पाख, गउरी-गउरा पर्व, मातर, अगहन बिरसपत, बसंत पंचमी, आठे, जंवारा, हरेली, भोजली, पोरा, तीजा. खमरछठ, छेरछेरा, होरी, करमा, गोवर्धन पूजा, मेघनाथ पर्व

अध्याय 8 छत्तीसगढ़ के हस्त शिल्प 39

गोदना कला, मिट्टी शिल्प, काष्ठ शिल्प, कंघी शिल्प, बांस शिल्प, पत्ता शिल्प, धातु कला, लौह शिल्प, तीर धनुष शिल्प, मुखोंटा कला, कौड़ी शिल्प

अध्याय 9 छत्तीसगढ़ के लोकगीत और लोकनृत्य 45

लोकगीत- गौरी- गौरा, भजन, भोजली, होली गीत, डंडा गीत, जंवारा गीत, छेरछेरा, सुवा गीत, लोकनृत्य- राऊत नाचा, पंडवानी, ददरिया, डंडा नाच, रास गीत, देवार गीत, गेंड़ी नृत्य

अध्याय 10 उपसंहार 50

संदर्भ सूची

Scanned with OKEN Scanner

# **"VEER SURENDRA SAI & REVOLT OF 1857"**

Dissertation/Project Submitted to

## **Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur, (C.G.)**

For the partial fulfilment of the paper V of M.A. 4th Semester in History

Academic Session 2022-23


**Supervised by**

Dr. Ghanshyam Dubey

Asst. Professor

Department of History

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya,

Bilaspur, (C.G.)

SBiswal

**Submitted by**

Sunil Biswal

V/21/08308

Department of History

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya,

Bilaspur, (C.G.)


## **Department of History**

## **Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur, (C.G.)**

## **2023**

Scanned with OKEN Scanner

# CERTIFICATE

Department of History

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur (C.G.)

This is to certify that **SUNIL BISWAL**, a student in the 4th Semester of Master of Arts (M.A.) History at the Department of History, Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur, (C.G.) has successfully completed his/her dissertation/project on **"VEER SURENDRA SAI & REVOLT OF 1857"**.

I hereby confirm that the matter embodied in the dissertation/project has not been submitted to any other University/Institute for the award of a post-graduation degree at Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur, (C.G).

Date:

Place: BILASPUR

Dr. GHANSHYAM DUBEY

Assistant Professor

Department of History

Guru Ghasidas University, Bilaspur (C.G.)

Scanned with OKEN Scanner

# CONTENTS


CANDIDATE DECLARATION i

CERTIFICATE ii

ACKNOWLEDGEMENT iii

CONTENT iv

Chapter 1 – Introduction

- Ancestry of Surendra Sai
- Early measures of the British at Sambalpur
- Surendra Sai and Family

Chapter 2- The early phase of Revolution in Sambalpur

Chapter 3 – Role of Surendra Sai in great revolt of 1857

- The commissioner of Cuttack
- Role of Major Bates

Chapter 4 – Glorious phase of revolution in Sambalpur Role of Forster

- Role of Lt. Smith and Vallance
- Efforts of Major Impey
- Step of R.N. Shore
- Negotiation between Impey and Sai

Chapter 5 – Under current of Revolution

- Death of Impey and Death of Surendra Sai
- Place of Surendra Sai in History

Chapter 6- Rebellion of Surendra Sai

- First phase 1827-1840
- Second phase 1857-1864
- Period of conciliation in April 1861
- Revival of repressive policy of British
- Period of Conspiracy
- Judgement of Conspiracy
- Recognition of Surendra Sai
- Unsung hero of freedom fighter

Chapter 7- Conclusion



Scanned with CamScanner

Scanned with OKEN Scanner

# "कोरबा अंचल के जनजातीय समाज का सांस्कृतिक जीवन: एक परिचय"

लघु शोध प्रबंध

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)

इतिहास में एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर के पंचम प्रश्न पत्र की आंशिक पूर्ति के लिए शैक्षणिक

सत्र 2022-23


मार्गदर्शक

डॉ० घनश्याम दुबे

(सह प्राध्यापक)

इतिहास विभाग, गुरु घासीदास

विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग)

प्रस्तुतकर्ता

सुनीता कुसरो

(GGV/18/8346)

इतिहास विभाग, गुरु घासीदास

विश्वविद्यालय बिलासपुर ( छ ग)



इतिहास विभाग, गुरु घासी दास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग) 2023



Scanned with OKEN Scanner

# प्रमाणपत्र

इतिहास विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

प्रमाणित किया जाता है, कि सुनीता कुसरो मास्टर ऑफ आर्ट्स (एम.ए.) के चतुर्थ सेमेस्टर ने इतिहास विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.) में "कोरबा अंचल के जनजातीय समाज का सांस्कृतिक जीवन:एक परिचय" लघु शोध प्रबंध को सफलतापूर्वक पूरा किया है।

यह लघु शोध प्रबंध गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर में एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर इतिहास में स्नातक उपाधि हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है। मेरे जानकारी के अनुसार छात्र सुनीता कुसरो का यह कार्य पूर्णत: मौलिक है।

दिनांक: 18/07/2023

स्थान: बिलासपुर

डॉ० घनश्याम दुबे

सह प्राध्यापक

इतिहास विभाग,

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with OKEN Scanner

# अनुक्रमणिका


| | | |
|---|---|---|
| 1.0 | अध्याय 1 प्रस्तावना | 1-4 |
| 1.1 | शोध समस्या | |
| 1.2 | साहित्य पुनरीक्षण | |
| 1.3 | शोध का महत्व | |
| 1.4 | शोध का उद्देश्य | |
| 1.5 | परिकल्पना | |
| 1.6 | शोध की प्रविधि | |
| 1.7 | शोध की सीमाए | |
| 2.0 | अध्याय 2 छत्तीसगढ़ एक जनजाति बहुल राज्य | 5-9 |
| 3.0 | अध्याय 3 कोरबा जिला का सामान्य परिचय | 10-23 |
| 3.1 | कोरबा का इतिहास | |
| 3.2 | कोरबा का भौगोलिक परिचय | |
| 3.3 | कोरबा जिला की जनजाति का सामाजिक परिचय | |
| 3.4 | कोरबा जिला का आर्थिक परिचय | |
| 3.5 | कोरबा जिला का पर्यटक स्थल | |
| 4.0 | अध्याय 4. कोरबा जिला की जनजातियों का सांस्कृतिक जीवन | 24-42 |
| 4.1 | लोक गीत | |
| 4.2 | लोक त्यौहार | |
| 4.3 | त्यौहार एवं पर्व | |
| 4.4 | संस्कार | |
| 5.0 | अध्याय 5 उपसंहार | 43 |
| | संदर्भ ग्रंथ सूची | 44 |


Scanned with OKEN Scanner

# "रतनपुर का माँ महामाया मन्दिर: एक ऐतिहासिक विश्लेषण"

लघु शोध प्रबंध

**गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)**

इतिहास में एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर के पंचम प्रश्न पत्र की आंशिक पूर्ति के लिए प्रस्तुत

शैक्षणिक सत्र 2022-23


**पर्यवेक्षक**

**डॉ. घनश्याम दुबे**

सह प्राध्यापक

इतिहास विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर,

(छ.ग.)

**प्रस्तुतकर्ता**

**विवेक श्रीवास**

GGV/18 /8351

इतिहास विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर,

(छ.ग.)


**इतिहास विभाग**

**गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)**

**2023**

Scanned with OKEN Scanner

# प्रमाणपत्र

इतिहास विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

प्रमाणित किया जाता है, कि **विवेक श्रीवास** मास्टर ऑफ आर्ट्स (एम.ए.) के चतुर्थ सेमेस्टर ने इतिहास विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.) में "**रतनपुर का माँ महामाया मन्दिर: एक ऐतिहासिक विश्लेषण**" पर अपने शोध प्रबंध को सफलतापूर्वक पूरा किया है।

यह लघु शोध प्रबंध गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर में एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर इतिहास में स्नातक उपाधि हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है। मेरे जानकारी के अनुसार छात्र **विवेक श्रीवास** का यह कार्य पूर्णत: प्राथमिक और द्वितीयक स्रोत पर आधारित है।

दिनांक:

स्थान: बिलासपुर

**डॉ० घनश्याम दुबे**

सह प्राध्यापक

इतिहास विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with OKEN Scanner

## विषय सूची


| | पृ.सं. |
|---|---|
| अध्याय 1. परिचय एक अध्ययन | 01 |
| 1.1 लघु शोध प्रबंध का उद्देश्य | 02 |
| 1.2 साहित्य समीक्षा | 02-03 |
| अध्याय 2. छत्तीसगढ़: प्राचीन दक्षिण कोसल | 04-05 |
| 2.1 रतनपुर का इतिहास | 05-07 |
| अध्याय 3. रतनपुर का माँ महामाया मन्दिर | 08-09 |
| 3.1 मन्दिर वर्णन | 09-11 |
| 3.2 माँ महामाया मन्दिर का मुख्य द्वार | 11-15 |
| 3.3 आदिशक्ति माँ देवी दर्शन | 15-16 |
| 3.4 रतनपुर माँ महामाया मन्दिर तक पहुचने के साधन | 16-18 |
| अध्याय 4. रतनपुर के अन्य दार्शनिक स्थल | 19-22 |
| अध्याय 5 माँ महामाया मन्दिर में नवरात्रि महोत्सव | 23-24 |
| 5.1 मन्दिर की प्रबंध व्यवस्था | 25 |
| साक्षात्कार | 26-27 |
| उपसंहार | 28-29 |
| संदर्भ-ग्रंथ सूची | 30 |
| साक्षात्कार प्रतिरूप | |




Scanned with OKEN Scanner

# "भोरमदेव: एक एतिहासिक अध्ययय"

लघु शोध प्रबंध

**गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)**

इतिहास में एम.ए.चतुर्थ सेमेस्टर के पंचम प्रश्न पत्र की आंशिक पूर्ति के लिए प्रस्तुत

शैक्षणिक सत्र 2022-23


**पर्यवेक्षक**
**डॉ. घनश्याम दुबे**
सह प्राध्यापक
इतिहास विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर,
(छ.ग.)

**प्रस्तुतकर्ता**
**यश तिवारी**
**GGV/18/8352**
इतिहास विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर,
(छ.ग.)


**इतिहास विभाग**
**गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ.ग.)**
**2023**

Scanned with OKEN Scanner

# प्रमाणपत्र

इतिहासविभाग

गुरुघासीदास विश्वविद्यालयए बिलासपुर ;छ.ग.)

प्रमाणित किया जाता है, कि यश तिवारी मास्टर ऑफ आर्ट्स (एम.ए.) के चतुर्थ सेमेस्टर ने इतिहास विभाग, गुरू घासिदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छ. ग.) में भोरमदेव एक ऐतिहासिक अध्ययन पर अपने शोध प्रबंध को सफलता पुर्वक पूरा किया है।

यह लघु शोध प्रबंध गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर में एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर इतिहास में स्नातक उपाधि हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है। मेरे जानकारी के अनुसार छात्र यश तिवारी का यह कार्य पूर्णत: प्राथमिक और द्वितीयक स्रोत पर आधारित है।

दिनांक

स्थान बिलासपुर

**डॉ॰ घनश्याम दुबे**

सह प्राध्यापक

इतिहास विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with OKEN Scanner

○ प्रस्तावना 3–4

➢ अध्याय - १ – भोरमदेव का शिव मंदिर 5–10
- शिव अथवा विष्णु मंदिर
- स्थापत्य
- शिखर के कलश विहिन होने का कारण

➢ अध्याय - २ – एतिहासिक पृष्ठ भुमि 11–14
- भोरमदेव मंदिर निर्माता निर्धारण समस्या
- नामकरण
- मंदिर निर्माता

➢ अध्याय - ३ – मंदिर का भौगोलिक स्थिति 15–18
- भौगोलिक परिवेश
- प्राकृतिक सौंदर्य
- प्राकृतिक रचना

➢ अध्याय - ४ – भोरमदेव मंदिर प्रांगण 19–21
- ईट निर्मित शिव मंदिर
- अन्य मंदिर
- एक विलुप्त विनष्ट मंदिर

➢ अध्याय - ५ – अन्य पुरातात्विक स्थल और महोत्सव 22–30
- मड़वा महल
- छेरकी महल
- भोरमदेव महोत्सव

○ उपसंहार 31–32
○ संदर्भ सुची 33

Scanned with OKEN Scanner